No. of Printed Pages: 7

MES-101

Master of Arts (Education)/Post Graduate Diploma in Higher Education

M. A. (Education)/PGDHE

Term-End Examination

June, 2019

MES-101: HIGHER EDUCATION: ITS CONTEXT
AND LINKAGES

Time: 3 Hours Maximum Weightage: 70%

Note: All questions are compulsory. All questions carry equal weightage.

1. Answer the following question in about 600 words:

Discuss the policy initiatives taken by the government of India during the post-independence period for quantitative and qualitative development of higher education. Assess critically the outcomes of these initiatives.

Or

What are the major social concerns of higher education system? Discuss how successful our higher education has been in addressing these concerns. Give examples in support of your answer.

2. Answer the following question in about 600 words:

What is meant by a "professional organization"? Assess critically the role of professional organizations of university and college teachers in qualitative development of higher education in India.

Or

Education Commission (1964-66) suggested that India should have selective admission policy in higher education. Evaluate critically the relevance of this idea in contemporary Indian social context.

- 3. Answer any four of the following questions in 150 words each:
 - (a) Describe briefly the aims and objectives of higher education during Vedic and Upanishadic period.
 - (b) Examine critically the role of teachers of higher education system in social change.
 - (c) Discuss India's role in Internationalization of higher education.
 - (d) Evaluate the impact of WTO regime on higher education in India.
 - (e) Examine critically the issues related to funding of higher education in India.
 - 4. Answer the following question in about 600 words:

What is meant by "Assessment and Accreditation" of higher education institutions?

Discuss critically the role of National Assessment and Accreditation Council (NAAC) in quality control in higher education.

एम.ई.एस.-101

शिक्षा में परास्नातक/उच्च शिक्षा में परास्नातमक डिप्लोमा (पी. जी. डी. एच. ई)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2019

एम. ई. एस.-101 : उच्चतर शिक्षा : इसके सन्दर्भ एवं कड़ियाँ

समय : 3 घण्टे

अधिकतम भारिता: 70%

नोट: सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों की अधिभारिता समान है।

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

उत्तर-स्वतन्त्रता काल के दौरान उच्चतर शिक्षा के परिमाणात्मक एवं गुणात्मक विकास हेतु भारत सरकार ने नीति सम्बन्धी कौन-सी नवीन पहल की? चर्चा कीजिए और इन नवीन पहलों के परिणामों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

अथवा

उच्चतर शिक्षा प्रणाली के मुख्य सामाजिक मुद्दे कौन-से हैं ? चर्चा कीजिए कि हमारी उच्चतर शिक्षा इन मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करने में कितनी सफल रही है। अपने उत्तर की पुष्टि, उचित उदाहरण देते हुए कीजिए।

 निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

"वृत्तिपरक (professional) संगठन" से आप क्या समझते हैं ? भारत में उच्चतर शिक्षा के गुणात्मक विकास में विश्वविद्यालय के वृत्तिपरक संगठनों एवं कॉलेज के शिक्षकों की भूमिका का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

अथवा

शिक्षा आयोग (1964-66) का सुझाव था कि भारत को उच्चतर शिक्षा के क्षेत्र में एक खास प्रवेश नीति का अनुसरण करना चाहिए। समकालीन भारतीय सामाजिक सन्दर्भ में इस विचार की प्रासंगिकता का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर (प्रत्येक)
 लगभग 150 शब्दों में दीजिए:
 - (a) वैदिक एवं उपनिषद् काल के दौरान उच्चतर शिक्षा
 के लक्ष्यों एवं उद्देश्यों का संक्षेप में वर्णन
 कीजिए।
 - (b) सामाजिक परिवर्तन लाने में उच्चतर शिक्षा पद्धति के शिक्षकों की भूमिका की आलोचनात्मक जाँच कीजिए।
 - (c) उच्चतर शिक्षा के अन्तर्राष्ट्रीयकरण में भारत की भूमिका की चर्चा कीजिए।
 - (d) भारत में उच्चतर शिक्षा पर डब्ल्यू. टी. ओ. वर्चस्व के प्रभाव का मूल्यांकन कीजिए।
 - (e) भारत में उच्चतर शिक्षा के वित्तपोषण से सम्बन्धित मुद्दों की आलोचनात्मक जाँच कीजिए।

 निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

उच्चतर शिक्षा संस्थानों के "मूल्यांकन एवं प्रत्यायन" से क्या तात्पर्य है ? उच्चतर शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (एन. ए. ए. सी.) की भूमिका की आलोचनात्मक चर्चा कीजिए।